

2343

अप मोव को कह : जाई तावरे को जरी - १ आदे तवा

र मंगल वार पारी जला वा धनु मो बंधु ते :

अप गानु को ई लाज : स्वप - १ गुवानु - १ मरी ब -

वीग - १ जाई कल - १ सुधो - १ वी रेनु न - १ ती मर -

जाई पत्री - १ घे ती कल गुनु ताता पाती सै जवानु गानु

ते : - - - -

अप मोव को कह : जाई तावरे को जरी - १ आदे तवा

र मंगल वार पारी जला वा धनु मो बंधु ते :

अप हसा को ई लाज : को ई राला को वी कश कुती

वसु लो बत नरी जमी लाई सानु दीनु : - - -

अप भी रगी को ई लाजा कह : तामा को धाउ - १ रात

पाते - १ काजली को चुक - १ लो सी को वी पा भे स

म - १ जसे लु को जरी - १ घे ती ज पा गरी मान दी

उरु का को जान ली से जी दुधु नु दी १ भी रगी

रो ग नु दी :

मीमरी - पसीस धाउ - १ धोती लाउनु आस के
फुलो उद्ध - — — — —

मलमल : कसतुरी - १ नीला तुता - १ चीवुड - १

नीमकाथ - १ धोती प्रकाउनु प्रतीरा उद्ध - — — —

धाउनी को रुने / नौनी गार्ड को दुद जान दीनु धाउसी

गल होई ॥ से तो वरुवा - १ मालु को बोसे पसी उद्ध

को दुद - १ मीलाई वासी गरी धाउ माहाल नुनी को

रुद्ध । — — — —

अथ गुरु कपत को ; धीस को दुद - १ नुन - १

सैग बल गनु धानु दीनु पप्रता होला धामने क

दुकावा रुद्धे दो - १ पोले को सुधो - — — १

को वो सुधो - १ रूती मीलाई वीनी को पानी

सग जान दनु धामी डा - — — —

अथ रपात सुकोई लज कहु ईन्दे नी को वीपा - १

सरोनाभीरैगीककहुः पारोनासा - ५ ईसतीमी

मा - ५ लल्लुले दुर्कनी - ५ मरुमासा - ८ लेलमा

ना - ५ पानीकुरुवा - ५ ईतीमिलाई पकाऊनु

रवापैडको पकष दुरामनुले पन गुनली गको प

तीतजिदमात्ररोगसमेतजिदभीरैगीकोईलाज

अतीपुलोहः - - - - -

भीरैगीचोकाहुः समुद्रफल - ५ कागतीकोरस

नेववाकोरस - ५ ईतीमिलाई पन पनीहुदमे

लीचोतीलाईदीनुभीरैगीनीकोईदुः - - - - -

थलीग सुनी पाकोभीरैगलैकहिः सोपुसेत

क - ५ स्यप - ५ तुसुवकीनेहोलाखातपाहाला

मासा - ६ जौलकाकन पाहुलमास - ६ सीउरी

काजशमानदीन्दपर्वलेहन्धः - ५ गववोवर

नीचो वपर कुकुन रहु फल स्वाहा ॥ १ ॥ से जो वाम
तलो डान नु जाई भै सीले दुदही दैन सुः ॥ — — —

अथ भी रंजी को नीलो तुधो — ५ से तो प्रपेर — ५

नीववा को रसु :: ई ति क लो ने भा द मा ध्या ती

लो उ नु ली ग को प्रती रा ज द न्री पालाई पनी तु द ले
पनी गुनु :: — — — — —

भी रंजी को सुकु मे ल — १ गाई फल — १ ला वंग — ५

मरी य — १ उ वानु — १ व न्ना क स लुरी पे प्पा को

पो क रा — १ ई ती मी लाई क ती १ थु ला म ते रा ज

त्रा जो ला व ना उ नु प्पा न पनी दी नु ल मा प्पा मरी च न प

नी दी नु लु गाले पी रा प नु फु दै गु न भी रह नु दु का पा

नी दी नु लु गाले पी रा प नु फु दै गु न भी रह नु दु का पा

नी दी नु लु गाले पी रा प नु फु दै गु न भी रह नु दु का पा

नी दी नु लु गाले पी रा प नु फु दै गु न भी रह नु दु का पा

दोषको
चीकले किरीफेहि निरी
गवान दिनुषजादि ३
॥ गदेउला धनिषानदीनदि ३
दोषजा ॥ ॥ वंसेलुफोरी
षानदीनुदि ३ ॥ रुतितेउको
फुलघोतिषनदीनुदी ३ दो
षजा ॥ परेवाकोफुलघोति
षानदिनुदि ३ दोषजा ॥

सुरकेरीकोजरीको ॥
श्रीरीसकापात — ५
चापकोपात — १
रुसकोजरी — १
ग्रादेलकोजरी — १
इतीमीलाइकरवाते
लभापकाइलाउनुसु
तकेरीकोजरीजा ॥

कामजरो को धु पहे॥

गोकुल धु प — १

रुरो — १

निम पात — १

आपु — १

वेल — १

रायो सु सिं — १

कुट — १

इती बल प्रन

गाइ को घी उमा

मुही ध प दीन

कामजरो दो दे

अध भीगी कोई ला

जंकु ॥ तामा के

धाउ — १

रात पाते — १

कागती को चुक — १

नेमी को वीया भसम — १

ओ रेल को जरो — १

थीती जय गरी

भुत पीत युधु प॥

केसरी तो लो — १

गोकुल धु प तो ला — १

गंध क तो ला — १

इस प तो ला — १

हरिताल — १

रायो ताला — १

सु सि तो ला — १

हिंडु मासा — १

सिड के को दु द — १

गाइ को के म — १

इती भी लाइ धु प दीन

सु वर रोग आगे सु भ

कुं का को पानी ले रो जी द धु नु

दी ७ भी रगी रोग जा

अप

सुला

अध

गुदी

अध

जीला

सुनी

अध

ती

उत

अध

अपल सा कोला जः कोई राला को बो करा कुली के

सुलावन नरी डमी लाई बन दीनु :- - -

अवध वरु सते पापा कोः भोला को को सा भीत्र को

गुड़ी घोली लाउनु नी को लोला :- - -

अपसुनी दा को दिलाईः मरुते - १ अनी

जालो - १ रती नी सी मा सुमाहाली बन दीनु

सुनी ये को जीन्द :- - -

अपमल नः गुड़ी सैव - १ कमल - १ मोरा - १ ले

ती - १ मयेन - १ रती प्रकाउनु र पकात्र गुनुला

उनु सुव वती रा जा आउ प्ररी जीन्द :- - -

अपआप फुल को करुः क म सुपरी - १ कपु

र-१ मरीच-५ लवंग-१ तुषो-५ मानको के
सपोलीहालनु पेती पीतलेभादमाहालीहालनुआ
माको फुलो जीन्हे :- - - - -

पीपलादीकः कुकुनती-१ जीरा-१ मोथा-१

पीपला-५ दुहो-१ धानापो-१ पीपलाजरी-१

मुपो-१ बीदनुने-१ रूती बलमुनुतातापानी

सीगपावाउनुअजीनजाभादापलाउनेदो :- - -

परापेकोकः सहकोपीती-१ कसुसुरी

१ थीनी-१ चौलोनीसीगपानदीनीपरापे
जीन्हे :- - - - -

तीमुरादीपावकः तीमुर-१ मराच-१ पी

पला-१ सुको-१ गुवानु-१ अडुवा-१ रूती

बलमुनुतातापानीसीगमुवाकवापुसुलजी
न्हे :- - - - -

प्रराये कह ॥ कुनीं डो डसी नी वा फली न
 प्रराये को जी द — — — — —
 प्रराये ॥ जाई फली न — — क पुर व नी नी १
 ये ती नी नी ई जो नी व नाई ये क गा ली घा नु दी
 नु प्ररा ज न द — — — — —
 प्रराये को कह ॥ सु ह को पी ती व क सु तुर
 १ नी नी १ नी नी नी सी ग घा नु दी नु प्र रा भ
 प्ररा ज न द — — — — —
 प्रराये को कह ॥ आर का वी घा १ घा ५
 ना भु ती घा नु दी नु प्र रा ये ज न द — — — — —
 प्रराये को कह मल को वो करा सु का ई म
 हा ली ग घा नु दी नु प्र रा ये ज न द — — — — —
 प्र २२ असत्री घा को भं द्रा पल ते क
 रु विल पत्र १ जा ई का घा त १ दा री म को
 वे करा १ ई का ती पी नी अंग ले प न गर
 नु भं द्रा पल ते को नी को हो ला घा नी कु

रु क
 घा नु
 ते जा
 बो क
 वो व
 ई ती
 मु दी
 को र
 मा सु
 पृ ग
 वी घ
 न दी
 ती न
 के रे
 री को
 अ ध

हु कुरुवातेल १ जवानु १ घा ५ १ भातसंग
खानुनी यानुगरी वसनु ब्रीया को भद्रा पल
तेजानुद

कोकमीले बुसे माला उने ॥ कोभा १ यप
कोका चोले १ कुषरा को पहेलो गुहु १
ईतीला उनु

मुदीबाथ कोकहु ; गीई को घा ५ - १ दुमव
कोरस - १ नदसाहि गो - १ स्या लोको

मासु - १ ईती पकाई का स का भा दमासा
पू गरी घोती व्य स न ना भ जं न्द ! -
वीष बाये कोलाई कहु ; मुला को वी ५ पीनी चा
नदीनु दो सरे मानी स को वी सुती पु ना उरु
ती को हुन्द !

कोरेल को ॥ कसतुरी घोतीला उनु कसतु
री को २ ५ नदीनु कोरेल जं द -
अथ कोरीला को हागो त्या ई जो ठ का देला मा

धारापुत्रसहाजवीहानधुपदीनुमेरेतन
ओवे:-:-:-:-:-

धातुरोगको: फीजरी-१ कसतुरी-१ गु
रुमासुको फल-१ ईली चुर्न गरीवलीतु
भावनरचीसापासंगमानुधातुरोगजै
व:-:-:-:-:-

धातुरोगको कहो: जामीरवोको-१ वीमी
रीकोवोको-१ कदरशकोगानु-१ ईली
तीथोकोपोलीमसमगरीआगामलको
चोलीनिसंगमानुवापुधातुजिन्द:-:-:-

धातुरोगको कहो फलधाती-१ जपुधा
तु-१ कातोलीतु-१ ईलीषानदीनुधातु
रोगजिन्द:-:-:-:-:-

जलठको कहो: जीउकरी-१ मवीजा
लो-१ मरीच-१ ईलीमधनगरीषानदी
तुजलरुशोगजिन्द:-:-:-:-

अधाकपालका : भीरीजीराज - १ समुद्रक

न - १ अजीराजकोवीसली - ५ ईलीमवा

रिलाई दीनु अरही कपालजीन्धि : -

धातुरोगको कहि : भीसीको इही मा मात

मु केश मुदी घानदीनु धातुरोगजन्द -

पहुता कुकुली बापाको कहि : वीरेनुन - १

भेदे करी - ५ ईलीलाई दीनु नीको हुनक

सालजारनेको : पेर सानी को जरे - १ सीसनु

को जरे - १ ईली कुली घानदीनु सालजरे : -

कमरे दुषेको : मदीना को जरे - १ -

इत मंगलवार दी दीनु : : वीनु को जरा पीती नाते

पाती संग घानदीनु कमरको वैथा जानद

आषाको फुलेको : : मदीना भी संध्या ती आषा

मा रालनु फुलो जा विमली - १ - सीसो - १ -

द्योती आषा माला ५ नु आषा फुलजा

मंडि वा को कहु :: कुकु को दारो वा दी दी नु वाला को प्रु डि वा जा

नी को द्रो

कुने को कहु :: बल का प्रान प्रान कुनु ना जा म दे ना का मी ता प्रान

कुनु कुनु ना जा नु

मो व को ह :: कुकु को वहु गारो वा दी दी नु मो व हु ते

वै व स ल को रोग को :: काला ती ल प्रान ३०४ मला पो प्रु धा

१ ई ती पी नी प्रान दी नु दी कुनी को नु नु

अथली गो ठ र रो हुने :: परे वा को वी स ती - १ सी धो नु न - १

मह - १ ई ती म धन गरी ली ग ले पन प्रनु त व ली ग प्र ता हो
इ - -

अथली ग को :: ती प्रे न दे व का दी न का उ न को अशे ग प्र न गरी ला
उ न की दानी वा ध नु त व ते अ व दै :-

अथली ग ठी रो हो :: बी ठ - १ मह - १ ती ल को तेल - १

सी प्राली को र सु - १ ई ती सी ला इ प्रान ग ती ग ले पन प्रनु ठ
ओ हो इ :-

ली ग ठी ओ गुने :: परे वा को वी स ती - १ सी धो नु न - १
मह - १ ई ती म धन गरी ली ग ले पना प्रनु त व ली ग प्र ता हो इ -

प्रानु प्रती रो को :: प्रमला को वो क रा कु ती ला इ दी कुनी

को हो ला :-

लुताको कहु ॥

नीमपात — १

गंधक — १

तुथो — १

करुनातेलमा

पका देला उनु

लुतो जीद — ॥

लुताको सुव

लताको सुव वती

कहु सुभः —

बेलावती सुती — १

पुरानु मेर्यानु — १

कंडेल को वोको — १

करुनातेलमा पका

देला उनु सुके लुतो

जा सीम उिका दुमा

सुगी लो लालो भी जा दे

पोली करुनातेलमा

पका देला उनु लुतो

गंध — १

अंगमा उको ठेको बाटला ॥

बली धिना — १ सीलाम — १

घसी दिनु नि को होला ॥

बाहुला को मानी सलाइ धुप ॥

गाई गोह विदा उदा नाष

मुख का जी गा दो पीर खन

तेई धुप माली दीनु वहुला

सजन हो ॥

उप्रतली को कहु ॥

कावी को पात कुती बान दा

नु तालु माहे की दीनु पैत

ला माघ सी दीनु उप्रतली

नी हो को हो

पीला को कहु ॥

ती मीला को दुदला उनुनी को

हो

तदा का कह ॥
ममला को च न ग
महसीत बा नु
पेट दा हा जा ॥

हाल जो दा भा ची या कह ॥
रु द चर को जेल बा न दी
न में नम पा कु ती ईदी
नु नी को हो

जो ल वा ब ती रा को ॥
पा को नु — १
सु गुर को गु हु — १
प्रे ती जो ली पा नी दो
ती ला ड नु नी को हो ई

दा पुरा को पेट चले को
दु ई धं द ब योर — १
प्रे क धं द नु — १
को ती म भु के रा मा सो पी ते इ दु इ थो क हा
ली भु ग रा सो ली पा क ने ग रा बा न दी नु

कान पी के को कह
मु गुर वी सु ती — १
कान दा नु नी को हो ॥
रा ती भा उ को र स हा ल
नु नी को हो —

सी उरी को पा ल प्रो
ली हा ल नु नी को
हो — —

मा हु रा को र स हा ल
नु नी को हो —

वं जेल को दा र श को
ती हा ल नु नी कु
हु इ काल सु ल को
रा था को गु दी
प्यो ती ब डी र ला
इ दी नु —

म व ये था मी जा ॥

लुता को कहू ॥

करवा तेल १

संतला के भाते १

पुरानु सीनी की १

सी धुर १

इती पकाई ला ५

लुता को दाँही की

उँद

धातु को कहू ॥

कुहीला को जरी लेला १

गाई को घी उ तोला १

बिनी तोला १

मह तोला १

इ सत शिशु ममला

जत्र जोला पानु दु

पानु धातु रोग जा

काफल को को करा कु

ती कमरा द्य अनखान

दीनु पोलन चतु जेन्द

गानु फोने कहू ॥

तीत्या पकाई जेल मागा

ई को घी उर मरी वमी सी

मिक मे गानु फुते

बाध को कहू ॥

जरा पा को मासु १

पदम वस्त १

वरी अमीले १

बी उरी को घी उ १

असुरा को पात १

से तोषये १

गाई को घी उ १

ई ती मथन जरी पका

इ घसनु वात जई

संदीवायः दोषलाइवकु॥ पीलापधु

मदीसेवदम—१

इसिगेत—१

दरीवत—१

कपुर—१

तेलसीवत—१

कैवाजचीनी—१

जलंबा—१

जिरो—१

काकराकोवीया—१

मधुसुधु—१

कैवलकोतीगुद—१

कसतुरी—१

जेर—१

इसीपलप्रनुषवा

उनुजीभाभाससी

दीनु॥ सुवत्रसंवा

थजा॥

लाउनु॥

अदुवाकोरस

गोला—१

प्रीतापरेकोरस

मुथी—२

मीसीखानदीन

निरंजंमुलेजंनिक

निरंजंकोधिउकमा

रीकोजरावानिमीसी

खानदीनुनिरंजंमुले

निरंजंको॥

कुलोकुबुरे—१

काकराकैविया—१

आरकाविया—१

वीनीमीसीखानदी

नुनिरंखले

जंगल को कह ॥ नून पानी बराबर गरी वा
 काइ चौथाइ पावनी मांछ तो गरी दसनु गुती
 जुषानु गंग तो मुती जुसंगे चल गरनु दसनु
 नीकु हुन्द ॥

~~गाइती कुसी में खन प्रनु दस~~
 गाइकोची उनी मया तज काइ दसनु नीकोही

केल काली सुरती अदुवा को रसना १ माते सुर
 ती भाजाइ राखनु तेइ सुरती घोती हा उननी को
 हो

ती तो पाती दसनु सेक नुजह वातनी
 को हुन्द

कपाल दुखे को कह ॥
 मरीच — १
 पीपला — १
 सुथो — १
 वोजे — १
 हुती चल गरी
 नसदी नुसी खे
 या जानु

सीर के वे था कह ॥
 घोदा चुली — १
 मरीच — १
 सो संग घोती सीरले
 पनग्रन सीरवे था नी हुन्द

रगत वीत को ॥ अती रस १
 मरु — १ हुती धान दी
 रगत वीत को

फुलाको ॥

रीडु दाला गे को ॥

समुद्र फुल

पीपला — १

तसीत दोतीला

मरीच — १

उनु फुला जा

मरीच — १

आषा को

इती मरीच नरी

बल ग्रन्थ प्रमला जना

आषा को कह ॥

बान पीनरी गताना

भी मरीच पुर १

को हो

रस जैन १

मधु सपु १

सुठो १ मरीच को ज

वावरी को वी वा १

रो १ पीनी सी रते

इती वषती नजर

प्रता ग्रन्थ री गताना

दुखे को जा अरु

अर्धक प्राल को ॥

फाजा धु मीलो दे

बागो गो ये — १

बत जा ॥ फुला जा ॥

रूप के सरी — १

वा दल जा ॥ इने

सीत मरीच — १

त्रे हो गजा

पीपला — १

समुद्र फुल — १

इती बल ग्रन्थ प्रमला जना

आषा को कह ॥

सरध क पाल जा

वा थाके कहु ॥

माल को गु ना को तेल तोला १

अप्रदी र को तेल तोला १

हिनु बा को तेल तोला १

मालु को पी तो तोला १

भेदी को पी उ तोला १

जरा ये को मा सी तोला १

वडरा को पी उ तोला १

स्माउ सि को पा त तोला १

नीम पा त तोला १

वरिअ मी लो तोला १

इ ती प का रु ला उन भा

रजा वा थ जा सी दी वा थ जा

सरव वा थ जा ॥ ८

स यं ब ती रा

को

अप्रदी र को का

थ १

बीला उ ने को को

का थ १

कुषरा को ती

स दी १

ये ती द्यो ती ला

इ दी न स यं जा

॥ जी ध को वप

र द्यो ती ला इ दी

नु र्यं जा

प्रे मालु को जरा

१ जे थ को रु

रु ले द्यो ती ला

ला उ नु स यं ब ती

शे जा ॥

इलाज

इलाज प्रने ग व भात कह संभ
ता पर को जे दा कर वा ले मा व का इ
ला उनु स धें जा ॥ वो सा को हा द - १
सु पा हा को हा द - १ इती धो ती ला उनु
स धें ती नु रु हें द

आ उ को मात को ॥
गु ने म हो र धानु आ उ
को मात जा ॥ ॥ को वो
२ भा कर धानु आ उ
को मात जा ॥ ॥ नु के व
रानी म म म धानु मात जा ई
ती धा उ को वो म जा ॥ -

वा जे पती रो कह ॥
री पा को वो कर कती
पि धानु दी क री भा
को वो से - १
था क म को ज रें व
प ह जो व म त म
ने को गत - १
रु री धो व व ती - १
तो ते लो को वो वें १
(इती ला उनु वा जे व ती रे जा

बंदो को दो व
बाग का दात व
इती लाउनु वा दो
जा ॥ ॥ वाचु को
दु दला उनु गां दु
ये को गे खती
रा को मय उत्रि
जा ॥ ॥ उती वाचे
को उ मे कार ॥

ध म की को कुरु
व दे मुल तोला १२
मय भेद तोला १२
ल सु न तोला १२
सु थो तोला १२
मरी च तोला १५
जा इ प ज तोला १२
जा मु ना को गे दा ता ला १२
जा ठा का फल को दो
करा तोला १२

मु सु छी ली कं थ तोला १२ ती मुर तोला ३
जप को को दा तोला १ प हेलो मान
पे सा १ नाग खर को फल तोला २
जा इ को छी उ मु थरी २ भोला को मरा तो
ला २ मरु मा मु दि ष्ठा नु दा नु १२ ध म
की जा ख की जा ये त था मी जा ॥

मोती माला — १३

बोली सोंग माला — १४

मोती के माला — १५

प्रसार — १६

मोती के माला — १७

अपवर्णन को ईलाज : स्वयं — १८

मोती — १९

मोती के माला — २०

मोती के माला — २१

मोती के माला — २२

मोती के माला — २३

मोती के माला — २४

मोती के माला — २५

मोती के माला — २६

मोती के माला — २७

2343

ASMA ARCHIVES